P: ISSN NO.: 2394-0344 RNI No.UPBIL/2016/67980 VOL-4* ISSUE-2* (Part-2) May- 2019
E: ISSN NO.: 2455-0817 *Remarking An Analisation*

राजस्थान विधानसभा निर्वाचन में मीना जनजाति की भूमिका: पन्द्रहवीं विधानसभा का विश्लेषणात्मक अध्ययन

रजनी मीना
सहायक आचार्य,
राजनीति विज्ञान विभाग,
राजकीय महाविधालय,
राजगढ, अलवर,
राजस्थान, भारत

सारांश

राजस्थान की निर्वाचकीय राजनीति में अनु. जनजाति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जनजातियों में मीना जनजाति का विशिष्ट स्थान है फलस्वरूप राज्य राजनीति और निर्वाचकीय व्यहवार को प्रभावित करने में मीना जनजाति ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। प्रथम विधानसभा चुनाव से वर्तमान में 15 वीं विधानसभा चुनाव तक मीना जनजाति की राजस्थान की राजनीति म भूमिका न केवल बढती जा रही वरन इसका प्रभावकारी स्वरूप भी बदलता जा रहा है। जनसंख्यात्मक दृष्टिकोण से 2001 की जनगणना के अनुसार राजस्थान में जनजाति 12.56 प्रतिशत है जिसमें मीना जनजाति जनसंख्या के दृष्टिकोण से प्रथम स्थान पर है। चुनावी सहभागिता में मीना जाति के मतदाताओं की संख्या का अधिक होना मीना जाति के राजनीतिक महत्व को प्रदर्शित करता है, राजस्थान विधानसभा में 80 विधानसभा क्षेत्रों में मीना जाति हार–जीत के समीकरणों को प्रभावित करती है। इससे मीना जनजाति की राजस्थान की राजनीति में भूमिका का अध्ययन और भी महत्वपूर्ण हो जाता है।

मुख्य शब्द : राजस्थान विधानसभा, मीना समुदाय।

प्रस्तावना

राजस्थान की 13 वीं विधानसभा एवं 14 वीं विधानसभा चुनावों में मीना जनजाति की दलीय परिधि से भिन्न भूमिका दृष्टिगत हुई। 13 वीं एवं 14 वीं विधानसभा चुनावों में मीना जनजाति द्वारा सत्तारूढ़ दल के विरूद्ध रूझान प्रकट किया गया।

13वीं विधानसभा चुनावों से पूर्व गुर्जर मीना आरक्षण के दौरान डॉ0 किरोड़ी लाल मीना द्वारा मीना आरक्षण के पक्ष में भाजपा सरकार के मंत्री पद से स्तीफा दिया गया जिसे मीना समुदाय मे एक बड त्याग के रूप मे देखा गया एंव डॉ0 किरोड़ी मीना की छवि समुदाय के सर्वमान्य नेता के रूप मे उभरी । डॉ0 किरोड़ी लाल मीना ने सतारूढ दल के विपक्ष में उम्मीदवारों को समर्थन दिया और मीना समुदाय के वोट दिलवाए।

14वीं विधानसभा चुनावों में डॉ0 किरोड़ी लाल मीना 'राजपा' में शामिल हुए और राजपा के 134 प्रत्याशियों को चुनाव मैदान में उतारा। 'राजपा' मात्र 4 स्थानों पर विजय प्राप्त कर पाई और स्पष्ट बहुमत से भारतीय जनता पार्टी ने सरकार बनाइ। 14वीं विधानसभा चुनाव के पश्चात सत्तारूढ़ दल की सरकार द्वारा मीना समुदाय की उपेक्षा की गई। मीना समुदाय द्वारा किसी एक दल के प्रति एकमुश्त मतदान व्यहवार न कर पाने के कारण मीना समुदाय के वोट बैंक के रूप में शक्ति क्षीण हुई। मीना समुदाय को भी वोट बैंक के रूप मे अपनी क्षीण हुई शक्ति का अहसास हुआ। मीना समुदाय के 15 वीं विधानसभा चुनावों हेतु सजकता से आशंकित होकर भारतीय जनता दल द्वारा डॉ0 किरोड़ी मीना को 15 वीं विधानसभा चुनावों से पूर्व भाजपा मे शामिल किया गया और उन्हें राज्यसभा चुनावों में समर्थन देकर सांसद बनाया गया। मीना समुदाय का समर्थन कांग्रेस के पक्ष में जाने से राकने हेतु भाजपा ने ये कदम उठाया

15वीं विधानसभा चुनाव में मीना जनजाति की भूमिका गत विधानसभा चनावां से निम्नांकित परिदृश्यों में भिन्न रही।

प्रथम परिदृश्य

13 वीं एवं 14 वीं विधानसभा चुनावों में मीना समुदाय के प्रत्याशी के विरूद्व अन्य जातियों द्वारा लामबद्व होकर गैर मीना समुदाय के प्रत्याशी के पक्ष मे मतदान व्यहवार किया गया किन्तु 15 वीं विधानसभा चुनावों में इस प्रकार का

मतदान व्यहवार दृष्टिगत नहीं हुआ। राजगढ़–लक्ष्मणगढ विधानसभा क्षेत्र से 13वीं विधानसभा चुनाव मे समाजवादी पार्टी के श्री सुरजभान धानका विजयी रहे एवं 14वीं विधानसभा चुनावों मे श्री सूरजभान धानका द्वितीय स्थान पर रह क्योंकि 13वीं एवं 14वीं विधानसभा चुनावों मे अन्य जातियों द्वारा गैर मीना प्रत्याशी के विकल्प के रूप में श्री सूरजभान धानका के पक्ष मे मतदान किया गया। राजस्थान कि 15वीं विधानसभा चुनाव में राजगढ–लक्ष्मणगढ विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के उम्मीदवार श्री जौहरीलाल मीना विजयी रहे, एवं द्वितीय एवं तृतीय स्थान भी मीना प्रत्याशियों का रहा। श्री सूरजभान धानका 2,464 मतों प्राप्त कर चौथे स्थान पर रहे।

यदि बस्सी विधानसभा क्षेत्र के अवलोकन करने पर ज्ञात होता है कि बस्सी विधानसभा क्षेत्र मे 13वीं एवं 14वीं विधानसभा चुनावों मे गैर मीना जातियों द्वारा श्रीमती अंजू धानका को गैर मीना प्रतयाशी के विकल्प के रूप मे अपना विधायक चुना, वही 15वीं विधानसभा चुनाव में इस क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी श्री लक्ष्मणमीना विजयी रहे। भाजपा के श्री कन्हैया लाल मीना द्वितीय स्थान पर रहे। श्रीमतो अंजू धानका तृतीय स्थान पर रही।

द्वितीय परिदृश्य

राजस्थान में 13वीं एवं 14वीं विधानसभा चुनावों में गुर्जर समदाय द्वारा मीना समुदाय क प्रत्याशियों के विरूद्ध मतदान किया गया किन्तु 15वीं विधानसभा क्षेत्रों मे लालसोट, सपोटरा, बामनबास दौसा, देवली–उनियारा, पीपलदा इत्यादि विधानसभा क्षेत्रों म गुर्जर समुदाय द्वारा मीना प्रत्याशियों के पक्ष मे मतदान किया गया । श्री सचिन पायलट को मुख्यमंत्री पद पर देखने की आकांक्षा मुख्यतया गुर्जर जाति के इस मतदान व्यहवार का कारण रही।

तृतीय परिदृश्य

राजस्थान मे 13वीं एवं 14वीं विधानसभा चुनावों मे मीना समुदाय द्वारा डॉ0 किरोड़ी लाल मीना के नेतृत्व मे मतदान किया गया किन्तु राजस्थान में 15वीं विधानसभा चुनाव से पूर्व डॉ0 किरोड़ी लाल मीना द्वारा भाजपा की सदस्यता ले ली गयी एवं डॉ0 किरोड़ी लाल मीना द्वारा भाजपा मे अपने निकटस्थ उम्मीदवारों एवं रिश्तेदारों को चुनाव मैदान मे उतारा गया। अपनी पत्नी श्रीमती गोलमा देवी को नए विधान सभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतारने के कारण भी मीना समुदाय मे उनकी छवि सर्वमान्य नेता की नहीं रही। भाजपा में शामिल होने के बाद डॉ0 किरोड़ी लाल मीना की छवि मीना समुदाय द्वारा दलीय परिधि के भीतर ही देखी गई।

15वीं विधानसभा चुनाव परिणामों मे डॉ0 किरोड़ी मीना समर्थित एक भी उम्मीदवार नहीं जीता। यहाँ तक की उनकी पत्नी भी सपोटरा विधानसभा क्षेत्र मे कांग्रेस प्रतयाशी श्री रमेश मीना से पराजित हुई।

15वीं विधानसभा चुनावों मे 35 विधानसभा सदस्य अनुसूचित जनजाति वर्ग में है जिनमें से 21 सदस्य मीना समुदाय के है जिनमें से 8 सदस्य सामान्य विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय चुनाव जीतकर आए ह।

राजस्थान की 15वीं विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने सरकार बनाई। श्री नमोनारायण मीना को कांग्रेस पार्टी द्वारा टिकिट नहीं दिया गया। राजस्थान विधानसभा मे उपनेता प्रतिपक्ष एवं लगातार 3 बार विधायक रहे श्री रमेष मीना द्वारा राजस्थान विधानसभा में सर्वाधिक प्रश्न पूछे जाने एवं श्री सचिन पायलट एवं श्री राहुल गाँधी से निकटता एवं ईमानदार छवि के कारण वे पूर्वी राजस्थान मे मीना समुदाय के नेता के रूप मे उभरे है और यही कारण हैं की सपोटरा विधानसभा क्षेत्र की जनता ने भजपा की उम्मीदवार श्रीमती गोलमा देवी के स्थान पर उन्हें अपना नेता चुना।

मीना समुदाय मे श्री रमेश मीना की उभरती हुई भूमिका के कारण ही 15वीं विधानसभा के मंत्रिमंडल मे उन्हें केबिनेट मंत्री का दर्जा दिया। 15वीं विधानसभा में राजस्थान मंत्रिमंडल के गठन में 3 मंत्री जनजाति समुदाय के है जिनमें से केबिनेट स्तर के दो मंत्री मीना समुदाय के है।

निष्कर्ष

उपर्युक्त परिदृष्यों में 15वीं विधानसभा चुनावों में मीना जनजाति की भूमिका से स्पष्ट होता है की सत्ता के परिवर्तन में मीना जनजाति की प्रमुख भूमिका रही है। 15वीं विधानसभा चुनावो में मोना समुदाय ने दलीय परिधी के भीतर मतदान व्यहवार किया जो की गत सत्तारूढ़ दल के प्रति विरोधी रूझान को प्रकट करता है। मीना समुदाय द्वारा दलीय परिधि के अंतर्गत मतदान करने की यह प्रवृत्ति एवं अन्य समुदायों द्वारा मीना समुदायों के पक्ष में किया गया मतदान व्यवहार निरंतर रह पाएगा या नहीं, इस प्रश्न का उत्तर भविष्य के गर्भ में है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

जनसंख्या आंकडे 2001
दैनिक भास्कर, 20 नवम्बर, 2018, पृष्ठ संख्या 4
राष्ट्रदूत, 28, नवम्बर 2018 पृष्ट संख्या 2
राजस्थान पत्रिका, 12 दिसम्बर, 2018 पृष्ट संख्या 4